[Shri B. K. Nair]

reached exhorbitant levels, the yield has been steadily going down, damage and crop-failures widespread and frequent and currently the price has been going down to such low levels that the farmers in large numbers are constrained to abandon cultivation and leave their holdings fallow. According to an official estimate made some time ago, the loss incurred was Rs 500 per acre In actual fact, in most cases it may be anything upto six or seven hundred rupees

Kuttanai comprises of about 60,000 hectares of paddy land The cultivators number about a lakh and the workers dependant on agricultural operation number about four lakhs The entire area, the entire population is facing desolation

I take this opportunity to make a fervent appeal to the Government of India to make available whatever assistance and relief they can to save the situation A Committee of experts may be appointed immediately to study the whole problem and suggest remedial measures The scope and dimension of the measures needed are entirely beyond the capacity of the State Government to provide

(iv) REPORTED ATROCITIES ON HARIJANS IN KARNATAKA, ANDHRA PRADESH AND MAHARASHTRA ..

श्री शरद यादव (जबलपुर) अध्यक्ष महोदय, नियम 377 के अन्तर्गत मैं एक महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान खीचना चाहता हू। सदन मे कई बार हरिजनो पर अत्याचारो के मामले मे बहस हुई लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि मैंने कई बार कर्नाटक, आन्ध्र और महाराष्ट्र मे हरिजनो पर हो रहे अत्याचारो के सम्बन्ध मे मामला उठाना चाहा लेकिन उठा नही सका। जब अन्य राज्यों मे हरिजनो को जलाया जाता है तो उनको तो मेरे कांग्रेसी मित्र हरिजन मानते है लेकिन जब उनके हो राज्यों मे उनको जिंदा जलाया जाता है तो उनको वे जानवर मानते हैं। मैं यह मानता हू कि इस देश मे, किसी भी भाग मे, एक भी हरिजन की हत्या इस देश के लिए कलंक है। मेरे कांग्रेसी मित्र बिहार या अन्य राज्यों की बात तो यहा उठाते है लेकिन कर्नाटक, आन्ध्र और महाराष्ट्र मे हरिजनो के सम्बन्ध मे यहा सवाल नही उठाते। इसीलिए मै आज कर्नाटक, आन्ध्र और महाराष्ट्र मे हरिजनो पर हो रहे अत्याचारो के विषय मे सदन और सरकार का ध्यान आकर्षित करता हू।

कर्नाटक मे देवनहाल्ली देहात जो बंगलौर के नजदीक है, उसमे एक हरिजन का कत्ल कर दिया गया। आन्ध्र मे गुंटूर जिले मे एक देहात के हरिजनो पर हमला हुआ, मकान जलाये गये और उसमे एक हरिजन महिला को जिंदा जला दिया गया। 9 मार्च 1978 को बम्बई के भायखरी विभाग मे मायाा मिगल पर हमला हुआ जिस मे उनकी मृत्यु हुई। दूसरे हरिजन युवक श्री जाधो को छुरे मे भोक कर घायल कर दिया गया। पुने जिले मे शामवड तहसील मे कालेदि देहात मे श्री जगन्नाथ भोसले नामक हरिजन युवक पर हमला हुआ और उन्हे बुरी तरह से पीटा गया। बुल्ढाना जिले मे हरिजनो को जानकारी अधिकार मिले है वह भ्रम मे लाने मे उन्हे रोका गया है और इसके कारण उनको मिले हुए खेतो मे वे काम नही कर पा रहे है।

इन सारे सवालो को ले कर महाराष्ट्र मे जो हरिजनो पर कांग्रेस रेजीम मे, कर्नाटक मे, आंध्र मे जुल्म हो रहे है और जो अन्याय हो रहा है उसको ले कर हरिजन नेता श्री विठ्ठलराव हातनखेडे ने आत्म दाह की घोषणा की थी। यह आत्म दाह वह अगले महीने की नौ तारीख को करने वाले है। कहने का मतलब यह है कि हिन्दुस्तान मे आज श्रीमती इंदिरा गाधी तीस बरस से दबी और पिछड़ी और कंगाल जनता पर लगातार जो जबर्दस्त हमले होते रहे है उनको कराती

रही हैं। इस चीज को मैं बहुत ही गलत और अन्यायपूर्ण मानता हू। इस सरकार के चलते एक भी हरिजन पर अगर जुल्म होता है तो मैं इसको इस सरकार के माथे पर कलक मानता हू। लेकिन काग्रेस पार्टी की श्रीमती इदिरा गांधी भूतपूर्व तानाशाह आज हिन्दुस्तान की कगाल और गरीब जनता को जिस तरह धोखा दे रही हैं उसको लेकर मै यह कहना चाहता हू कि हरिजनो के मामले मे वह गिद्ध की दृष्टि रखती हैं उनके मास को नाच जाना चाहती हैं और उनके राज्य मे जो चीज चली और जो झूठ उन्होने बोला और बोल रही है मैं कहना चाहता हू कि उन से बडा झूठा इस सेचरी का आज दुनिया मे कोई आदमी नही होगा। वह झूठ बोल कर हिन्दुस्तान के लोगो को गुमराह कर रही हैं— (व्यवधान) बनारस मे जो व्यवहार श्री जगजीवनराम जी के साथ जा कि पिछडी जातियो के एक जाने माने नेता है जिन्होने उन के लिए सब से ज्यादा काम किया है, जो हिन्दुस्तान के कगालो के एक मात्र नेता हैं, उनके साथ जो हुआ वह श्रीमती इदिरा गाधी ने करवाया। कर्नाटक मे जो हो रहा है वह उनके दलाल कर रहे है। जहा पर इन लोगो का राज्य है वहा पर अगर जुल्म होते हैं तो इनके मुह से एक शब्द भी नही निकलता है, वहा पर जुल्म होते है और हरिजन जलाए जाते है, मारे जाते है तो एक शब्द भी नही निकलता है। मै सरकार से कहता हू कि कही भी हरिजन जलाया जाता है तो दोषी व्यक्तियो का अन्दमान निकोबार मे जेल मे भेज कर दस साल की सजा दी जाए। मै यह भी कहना चाहता हू कि ऐसा करने वाले व्यक्ति की नागरिकता का भी समाप्त कर दिया जाए। साथ ही साथ जिस मुख्य मत्री के रहते पाच एट्रोसिटीज हरिजनो पर होती है तो उसका काला मुह कर उससे इस्तीफा लिया जाए, फिर चाहे वह काग्रेस का मुख्य मत्री हो या किसी और पार्टी का हो, हमारी पार्टी का हो।

ये जो घटनाए हो रही है इन पर व्यापक बहस करने का मौका दिया जाना चाहिये। बानखेडे साहब नौ तारीख को आत्मदाह करेगे और यह कलक दल को आ करके सारे देश पर लगेगा। जो दगे हो रहे है, जो जातीय सघर्ष हो रहे हैं, हिन्दू मुस्लिम दगे हो रहे हैं, हरिजनो के ऊपर जो गिद्ध घूम रहा है, तानाशाह का पुतला मडरा रहा है और देश मे फिर से तानाशाही जो लाना चाहता है उसको ले कर मैं सभी लोगो से अपील करना चाहता हू, जो तानाशाही मे विश्वास नही करते है, जो जनतत्र धर्म निरपेक्षता मे विश्वास करते है, इक्ट्ठे हो कर तानाशाही के पुतले का मुकाबला करे। उनको मैं इस सताब्दी का सब से बडा झूठा मानता हू। वह सारे देश मे जगह जगह झूठ बोल कर गिद्ध की तरह घूम रही है। फिर से वह देश मे गुलामी लाना चाहती है। 62 करोड लोगों को फिर से गुलाम बनाना चाहती हैं। जिस पजे ने, जिन कुटिल हाथो ने लोगो की आजादी का हडपा था वह फिर हिन्दुस्तान की गरीब, भूखी जनता को गुमराह कर रही हैं। आगे आ रही हैं और झूठ बोल रही है, उसको रोका जाए और सारे देश को इस पुतले से बचाया जाए। मैं समस्त जनता का, नौजवानो को श्रीमती इदिरा गाधी के तानाशाही पुतले से सावधान करता हू और अपील करता हू कि वे इसका मुकाबला करे। वह मत्री और राज्य मत्री बैठे हुए हैं। व इस बात का जवाब दे। तीन प्रातों मे जहा काग्रेस का राज्य हुआ है वहा पर कितनी ही बार इस तरह की घटनाए हुई है और कितनी ही बार मैने कालिंग एटेशन नोटिस दिए है लेकिन आप हमारे साथ पक्षपात करते है, उनको तो आप जरूर मौका देते है लेकिन हम को नही देते है। हमे आज आपने 377 मे अपनी बात कहने का मौका दिया है। तीन चार प्रातो

[श्री शरद यादव]

का यह मामला है। 377 में मौका दे कर आपने हमें चुप करा दिया है।

श्रीमती मृणाल गोरे : (बम्बई उत्तर) : इसके बारे में भी**

MR. SPEAKER: Do not record.

MR. SPEAKER: No, No. Nothing doing. Do not record Rules do not permit me

SHRIMATI MRINAL GORE: **

SHRI UGRASEN (DEORIA): **

MR. SPEAKER I understand yesterday one of the Chairman on the Panel of Chairman allowed somebody to make a statement which is totally against the rules You have given the Calling Attention notice today which can be considered for Monday. I cannot change the rules. If somebody has allowed it, it is totally illegal. Once I allow, it will become a precedent So, do not record.

SHRIMATI MRINAL GORE.**

MR. SPEAKER: There are many champions for ladies but the rules do not champion them. So, I will not allow. Do not record anything. I do not want to set a bad precedent.

SHRIMATI MRINAL GORE: **

MR. SPEAKER: I told you already it would be a bad precedent. I will not allow it. I will never set a bad precedent.

SHRI MOHD. SHAFI QURESHI (Anantnag): Sir, I would like to know whether my 377 has been accepted.

MR. SPEAKER: No, no. Not today. Now Mr. Sivaji Patnaik.

(v) Reported termination of agreement for supply of workers by Central Employment Exchange (Labour) Gorakhpur to Hindustan Steel Ltd.

SHRI SIVAJI PATNAIK (Bhubaneswar) : Sir, I beg to submit the following under Rule 377. Consequent to the termination of agreement for supply of workers by the Central Employment Exchange (labour) Gorakhpur to Hindustan Steel Ltd. (Kalta Iron (Mines) 550 workers are likely to be terminated after 17th April, 1978. The action of the HSL management is arising out of the successful struggle of the workers to win a higher rates of wages and improvement in living conditions. When the management of Rourkela Steel Plant is purchasing iron ore of 20,000 tonnes and manganese of 7000 tonnes from outside, the retrenchment notice to these workers is clearly meant to recruit new cheap labour by throwing on Street these 550 workers who worked for 5-6 years in this mine.

The decision of the Hindustan Steel management amounts to an unfair labour practice and the Government should take immediate steps to prevent the management from indulging in such malpractices. The workers who were opposing the retrenchment orders were lathi charged on 26th March while 55 workers including women with children were arrested. Further, the petitioner, Shri Rabinarayan Naik, that is, the first signatory to the petition to to Lok Sabha which was presented just in few minutes back today, has been arrested In this connection, I would request the Government to intervene in the matter so that job security of these unfortunate workers is assured.

**Not recorded.